अमृत प्रार्थना - सद्गुरु से

आज 'सद्गुरु' की प्रार्थना की जाएगी।
प्रार्थना करना है कि....
हे गुरुदेव!
हम आपकी शरण में आए हैं। हम आपक बालक हैं। आप ज्ञानवान हैं, हम अज्ञानी हैं। आप पतितपावन हैं, हम पतित हैं। आप मायापति हैं,और हम माया के अधीन हैं। आप निर्विकार हैं,लेकिन हम विकारवान हैं। आप बंधन से मुक्त कराने वाले हैं,मुक्त स्वरुप वाले हैं,लेकिन हम संसार में बंधे हुए हैं।
अत: हम आपकी शरण में आए हैं!
आप हमारी गलतियों को,भूलों को,अपराधों को,क्षमा करें और हमारी शरणागति को स्वीकार करें!
अंधकार में जेसे किसी को दिखाई नहीं देता कि वो कहाँ जाए, किस ओर जाए, उसे प्रकाश की आवश्यकता होती है।
वैसे ही हे गुरुदेव! आप उसी प्रकाश के समान हैं जो इस अज्ञान रुपी अंधकार में भटकते हुए हम जीवों को मार्ग दिखाने वाले हैं।
हम जैसे भी हैं, हम आपके हैं,भले हैं, बुरे हैं, हम आपके हैं।
आप हमें स्वीकार करें, स्वीकार करें, स्वीकार करें!
और हमारा हर प्रकार, से कल्याण करें। हमारा हर प्रकार, से उद्धार करें।
यह शरीर आपके चरणों में समर्पित है,यह इंद्रियाएँ आपके चरणों में समर्पित है,यह मन आपके चरणों में समर्पित है,यह बुद्धि चित्त और यह अहंकार आपके चरणों में समर्पित है।
आप हमारा उद्धार करें! हमारा उद्धार करें!